

# प्रेरक प्रसंग



संकलन-सम्पादन

**कंचन कुमार**

फोन : 25217058

प्रकाशक :  
दीप्ति प्रकाशन  
208-ठ पश्चिम विहार एक्सटेंशन  
नई दिल्ली -110 063

प्रकाशक

**दीप्ति प्रकाशन**

208-B पश्चिम विहार एक्सटेंशन,  
नई दिल्ली-63

वितरक

**गायत्री सत्संग सभा**

पश्चिम विहार एक्सटेंशन, नई दिल्ली-63

संकलन-सम्पादन

**कंचन कुमार**

फोन : 25217058

मोबाईल : 9868204664

सेवा : 25 /- रुपये मात्र

मुद्रक :

**प्रिंट मीडिया (सुशील कोशिक)**

फोन : 9818050590

जनहित में प्रसारित एवं वितरित

## दो शब्द

प्रिय साधकों,

प्रस्तुत पुस्तक में महापुरुषों, संतों, महात्माओं के ऋषियों के अमृत वचन दृष्टांत रूप में संकलित किये गये हैं। जीव जब हिम्मत हारने लगता है। कष्टों से परेशान या निराशा में होता है तो संतों के प्रेरक प्रसंग प्रकाश पुंज का कार्य करते हैं एवं आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

देखा गया है कि बड़े-बड़े उपदेश छोटे-छोटे प्रसंगों से शीघ्र ग्रहण किये जा सकते हैं। दो घंटे के प्रवचन में जिस विषय को विस्तार से समझाया जाता है उसको प्रेरक प्रसंगों से रोचक एवं सरल बनाया जा सकता है।

मैंने अपने भजन कार्यक्रमों एवं सत्संगों में जिन प्रसंगों, सूक्तियों, हास्य प्रसंगों एवं शेरों-शायरी का प्रयोग किया उन्हें भी संकलित कर दिया है।

आशा है साधक संकलित संतों की वाणी, घटनाओं, दृष्टांत कथाओं से अवश्य लाभान्वित होंगे।

—कंचन कुमार

## प्रसंग

1. मन का लोभ	6	34. हजार के बराबर	39
2. आसक्ति से मुक्ति	7	35. सदुपयोग	40
3. सुंदर की शोभा असुंदर से है	8	36. परमात्मा का साथ	41
4. संत और प्रचार	9	37. जीवन का रहस्य	42
5. सच्चा पुत्र कौन	10	38. सहनशक्ति	43
6. सन्यासी बनू या गृहस्थ	11	39. आरस्पेंसकी की विनयशीलता	44
7. घर-घर बने मंदिर	12	40. तपस्या नहीं जनसेवा करो	45
8. मातृभूमि प्रेम	13	41. सत्यनिष्ठा का पुरस्कार	46
9. शरीर और आत्मा	14	42. लोक कल्याण	47
10. व्यर्थ श्रम	15	43. लक्ष्मीबाई की चूड़ियां	48
11. मानव धर्म	16	44. धर्म का अर्थ	49
12. व्यर्थ वस्तु	17	45. सेवा का अभिप्राय	50
13. संतोष	18	46. भूख का महत्व	51
14. आशीर्वाद	19	47. दान का फल	52
15. नास्तिक से आस्तिक	20	48. एकता में विजय	53
16. वास्तविक त्याग	21	49. दूसरों के लिए	54
17. संत बनना सहज नहीं	22	50. यह धन किसका	55
18. उपकार	23	51. सबसे बड़ी क्षमा	56
19. समर्पण का मार्ग	24	52. कुसंग का असर	57
20. भ्रम	25	53. गहन अभ्यास	58
21. विश्वास	26	54. मौन की उपासना	59
22. भगवान का वादा	27	55. पेड़ और ढेला	60
23. जिसका काम उसी को साजे	28	56. मन और कर्म	61
24. भीतर की पवित्रता	29	57. बंटवारे का समय	62
25. संत का हृदय	30	58. दृष्टि का भ्रम	63
26. स्वयं के प्रति सच्चा	31	59. शिक्षा का मार्ग	64
27. असफलता में संयम	32	60. पूजा करने में ज्यादा सुख	65
28. प्रभु प्रेरणा	33	61. न्याय	66
29. वकील से संत	34	62. धैर्य	67
30. सम्मान किसमें	35	63. नेकी के लिए झूठ	68
31. शांति का रहस्य	36	64. दिग्विजय का योद्धा	69
32. ईर्ष्या	37	65. समय की उड़न	70
33. क्षण को गुजर जाने दो	38	66. निर्भिकता	71

67. अयोग्य	72	102. अंतर की आवाज	107
68. दया से बादशाही	73	103. कर्म से भाग्य बदलता है	108
69. असली ज्ञान	74	104. चालाक दादी माँ	109
70. चादर का मोल	75	105. विश्वास की परीक्षा	110
71. जान अजान	76	106. महावीर का संकल्प	111
72. अमानत	77	107. धन से विरक्ति	112
73. समान की सेवा का व्रत	78	108. बुलावे की प्रतीक्षा	113
74. पटेल की बुद्धिमता	79	109. एक सिक्का	114
75. दासों का दास	80	110. धर्म का द्वीप	115
76. सहायक	81	111. आपकी मूर्ति कहां है	116
77. आत्मा की ज्योति	82	112. इंसान का साथ	117
78. ब्रह्मा जी के थैले	83	113. जैसी मन स्थिति वैसी सृष्टि	118
79. राजधर्म	84	114. गुन अवगुन अन्तर बसहिं	119
80. ईश्वर की माया	85	115. खाली हाथ कैसे लौटा दें	120
81. छोटी सलाह	86	116. मनुष्य के प्रकार	121
82. अहंकार	87	117. निस्पृहता	122
83. सही का अर्थ	88	118. मेहनत की कमाई	123
84. सब भले के लिए	89	119. दयालुता	124
85. सबसे बड़ा मूर्ख	90	120. कटु वाक्य	125
86. भगवान्म महिमा	91	121. उजड़े गांवों की क्या कमी	126
87. द्रोपदी की शंका	92	122. दूध और खून	127
88. स्वामी भक्त	93	123. सभ्यता और शिष्टाचार	128
89. परिस्थिति और प्रकृति	94	124. सुह	129
90. संभव	95	125. दया का असर	130
91. जहर का भय	96	126. उचित दण्ड	131
92. जड़ की बात	97	127. सच्ची प्रार्थना	132
93. परमात्मा	98	128. नम्रता का परिणाम	133
94. गद्दी की जिम्मेदारी	99	129. अपराधी कौन	134
95. हस्ताक्षर	100	130. शिक्षा कब तक	135
96. बीरबल की सोच	101	131. निर्दक नियरे राखिये	136
97. जरूरत	102	132. विनम्रता	137
98. शास्त्री जी की सहनशीलता	103	133. नक्लचियों की दशा	138
99. सत्यव्रत झूठ नहीं बोला	104	134. न जाने किस भेष में	139
100. अपने को खोजो	105	135. रोगी और वैद्य	140
101. मानव व पशु	106	136. पक्षपात न किजीए	141